नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएं एवं चुनौतियां विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

सीखने की संस्कृति में वृद्धि हों -कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा, 21 मार्च 2016: उच्च शिक्षा में गुणवत्ता का संवर्धन होने से विश्वविद्यालयों का अकादमिक स्तर समृद्ध होगा। हमें अध्ययन और अध्यापन में सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए। यत्न करें तो सफलता जरूर मिलती है और वह समय-समय पर परिलक्षीत भी होती है। अकादमिक कार्य-संस्कृति का

परिचय देते हुए हम विश्वविद्यालय को गुणवत्ता का एक प्रमाण बनाना चाहते हैं। उक्त उदबोधन प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिये। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद बैंगलूरु द्वारा प्रायोजित तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ आयोजित उच्च शिक्षा में

गुणवत्ता संवर्धन में समस्याएं एवं चुनौतियां विषय पर दो दिवसीय (19 एवं 20 मार्च) राष्ट्रीय संगोष्ठी का का समापन रविवार को कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में हुआ। अपने अध्यक्षीय उदबोधन में वे बोल रहे थे। इस अवसर पर प्रो. रमाचरण त्रिपाठी, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. आनंद प्रकाश, कुलसचिव

डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र तथा गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. शोभा पालीवाल मंचासीन थे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. रमाचरण त्रिपाठी ने कहा कि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नया करने का निश्चय करना होगा और लक्ष्य तय करते हुए उसे हासिल करना होगा। विश्वविद्यालयों को अपनी सामाजिक और शैक्षणिक पूंजी बढ़ाना चाहिए। प्रो. आनंद प्रकाश का कहना था कि व्यक्तिगत नवाचार को समूह-नवाचार के रूप में परिवर्तित कर देने से नवाचार को व्यापक रूप मिल सकेगा। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. मिश्र द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। प्रारंभ में डॉ.

शोभा पालीवाल ने संगोष्ठी का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षा विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर ऋषभ मिश्र ने किया। कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने सीताकांत महापात्रा की कविता प्रस्तुत कर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अध्यापक, शोधार्थी, प्रतिभागी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।